॥ अथ शाकुन्तलम् ॥

1

या सृष्टिः स्रष्टुराद्या वहति विधिहुतं या हविर्या च होत्री
ये द्वे कालं विधत्तः श्रुतिविषयगुणा या स्थिता व्याप्य विश्वम्।
यामाहुः सर्वबीजप्रकृतिरिति यया प्राणिनः प्राणवन्तः
प्रत्यक्षाभिः प्रसन्नस्तनुभिरवतु वस्ताभिरष्टभिरीशः॥ १॥

[नान्द्यन्ते]

nāndī *f* - благословение, молитва;

सूत्रधारः। अलमतिविस्तरेण। [नेपथ्याभिमुखमवलोक्य] आर्ये यदि नेपथ्यविधानमध्यवसितं तदिहागम्यताम्।

sūtradhāra *m* - директор театра
nepathya *n* - костюм, гардеробная; Loc. за сценой;
adhyavasā P IV (p.p. adhyavasita) - завершать, заканчивать;

[प्रविश्य] नटी। *अज्ज इअं म्हि। आणवेदु अज्जो को णिओओ अणुचिट्ठीअदु त्ति। **

(здесь и далее курсивом будут обозначены реплики на пракрите)

(перевод на санскрит) आर्य इयमस्मि। आज्ञपयत्वार्यः को नियोगो ऽनुष्ठीयतामिति।

niyoga *m* - поручение, дело, обязанность;
ājñāpaya - приказывать, повелевать;

सूत्रधारः। आर्ये अभिरूपभूयिष्ठा परिषत्तस्यां च कालिदासग्रथितवस्तुना नवेनाभिज्ञानशकुन्तलनाम्ना नाटकेनोपस्थातव्यमस्माभिः। तत्प्रतिपात्रमाधीयतां यत्नः।

abhirūpa - образованный, ученый;
pariṣad *f* - собрание, публика (в драме);
upasthā I. U. - подходить, стоять перед к.-л.; выступать на сцене, представлять на сцене;
pratipātram *adv.* - в каждой роли (в драме);
ādhā III U. - обращать на, прилагать, употреблять, получать;

नटी। *सुविहिदप्पओदाए अज्जस्स ण किं पि परिहाइस्सदि।*

(перевод на санскрит) सुविहितप्रयोगतयार्यस्य न किमपि परिहास्यते।

prayogatā *f* - игра (на сцене);
parihā III U. - упускать, недоставать, лишаться;

सूत्रधारः। [सस्मितम्] आर्ये कथयामि ते भूतार्थम्।

आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।

prayoga *m* - представление (на сцене), пьеса;
vijñāna *n* - знание, понимание; умение, искусство;

बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः॥ २॥

śikṣita - ученый, сведущий;

नटी। *एवं णेदं। अणन्तरकरणिज्जं दाणिं आणवेदु अज्जो।*

(перевод на санскрит) एवं न्वेतत्। अनन्तरकरणीयमिदानीमाज्ञपयत्वार्य।

anantaram *adv.* - немедленно, скоро, после чего;

सूत्रधारः। आर्ये किमन्यदस्याः परिषदः श्रुतिप्रसादहेतोर्गीतादनन्तरं करणीयमस्ति।

नटी। *अध कदरं उण उदुं समस्सइअ गाइस्सं।*

(перевод на санскрит) अथ कतमं पुनरृतुं समाश्रित्य गास्यामि।

सूत्रधारः। आर्ये नन्विममेव तावन्नातिचिरप्रवृत्तमुपभोगक्षमं ग्रीष्मसमयमाश्रित्य गीयताम्। सम्प्रति हि

upabhoga *m* - наслаждение;
kṣama - терпимый, снисходительный; возможный, способный;
saṃprati *adv.* - теперь, в эту минуту;

सुभगसलिलावगाहाः पाटलिसंसर्गसुरभिवनवाताः।

pāṭali *f* - Bignonia Suaveolens, дерево с красными или желтыми цветами;

प्रच्छायसुलभनिद्रा दिवसाः परिणामरमणीयाः॥ ३॥

नटी। [गायति]

खणचुम्बिआइं भमरेहिं उअह सुउमारकेसरसिहाइं

अवअंसअन्ति सदअं सिरीसकुसुमाइं पमदाओ॥ ४॥

(перевод на санскрит) क्षणचुम्बितानि भ्रमरैः पश्यत सुकुमारकेशरशिखानि।

cumb I P. - целовать;
keśara *m* - грива; *m, n* тычинка;

अवतंसयन्ति सदयं शिरीषकुसुमानि प्रमदाः॥

avataṅsaya *den.* - вплетать в венок ч.-л.;
sadayam *adv.* - мягко, нежно;
śirīṣa *m* - название дерева Acacia Sirissa и его цветов;

सूत्रधारः। आर्ये साधु गीतम्। असौ हि रागापहृतचित्तवृत्तिरालिखित इव भाति सर्वतो रङ्गः। तत्कतमं प्रयोगमाश्रित्यैनमाराधयामः।

bhā II P. - сиять, являться, казаться;
raṅga *m* - театр, публика (в театре);
ārādhaya *caus.* - удовлетворять, снискать благосклонность;

नटी। *णं पढमं जेव अज्जेण आणत्तं अहिण्णाणसउन्तलं णाम अउव्वं णाउअं अहिणीअदु त्ति।*

(перевод на санскрит) ननु प्रथममेवार्येणाज्ञप्तमभिज्ञानशकुन्तलं नामापूर्वं नाटकमभिनीयतामिति।

apūrva - новый;
abhinī I P.- представлять (на сцене);

सूत्रधारः। आर्ये सम्यगवबोधितो ऽस्मि अस्मिन्क्षणे विस्मृतं खलु मयैतत्। कुतः

avabudh *caus.* - будить, обращать внимание, напоминать;

तवास्मि गीतरागेण हारिणा प्रसभं हृतः।

prasabham *adv.* - сильно;

एष राजेव दुष्यन्तः सारङ्गेणातिरंहसा॥ ५॥

sāraṅga *m* - антилопа;
atiraṅhas - необыкновенно быстрый;

[इति निष्क्रान्तौ॥ प्रस्तावना]

prastāvanā *f* - вступление, пролог;

[ततः प्रविशति रथारूढः सशरचापहस्तो मृगमनुसरन्राजा सूतश्च]

सूतः। [राजानं मृगं चावलोक्य] आयुष्मन्

कृष्णसारे ददच्चक्षुस्त्वयि चाधिज्यकार्मुके।

kṛṣṇasāra *m* - черная антилопа;
adhijya - с натянутой тетивой;
kārmuka *n* - лук;

मृगानुसारिणं साक्षात्पश्यामीव पिनाकिनम्॥ ६॥

pināka - название лука Шивы; pinākin - Шива;

राजा। सूत दूरममुना सारङ्गेण वयमाकृष्टाः। सो ऽयमिदानीम्

ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने दत्तदृष्टिः पश्चार्धेन प्रविष्टः शरपतनभयाद्भूयसा पूर्वकायम्।

abhirāma - приятный, милый, грациозный;
syandana *m, n* - колесница;
bhūyasā *adv.* - большей частью, скорее;

शष्पैरर्धावलीढैः श्रमविवृतमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा पश्योदग्रप्लुतत्वाद्वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्यां प्रयाति॥ ७॥

śaṣpa *n* - травинка;
ardhāvallīḍha - полусъеденный;
bhraṅsin - падающий;
udagra - высокий;
plutatva *n* - передвижение прыжками, прыгание;
stokam *adv.* - немного;
urvī *f* - земля;

[सविस्मयम्] कथमनुपतत एव मे प्रयत्नप्रेक्षणीयः संवृत्तः।

सूतः। आयुष्मन् उद्घातिनी भूमिरिति रश्मिसंयमनाद्रथस्य मन्दीभूतो वेगः। तेन मृग एष विप्रकृष्टः संवृत्तः। सम्प्रति हि समदेशवर्ती न ते दुरासदो भविष्यति।

udghātin - неровный;
vega *m* - быстрота, скорость;
viprakarṣ I P. - удалять;
durāsada - труднодостижимый;

राजा। तेन हि मुच्यन्तामभीषवः।

abhīṣu *m* - повод, узда;

सूतः। यथाज्ञापयत्यायुष्मान् [रथवेगं रूपयित्वा] आयुष्मन् पश्य पश्य। एते हि

मुक्तेषु रश्मिषु निरायतपूर्वकायाः स्वेषामपि प्रसरतां रजसामलङ्घ्याः।

nirāyata - вытянутый, протянутый;
prasar I P. - стремиться вперед;
laṅgh I U. - подпрыгивать, подниматься;
alaṅghya - недосягаемый, недостижимый;

निष्कम्पचामरशिखाश्च्युतकर्णभङ्गा धावन्ति वर्त्मनि तरन्ति नु वाजिनस्ते॥ ८॥

niṣkampa - неподвижный;
cāmara *n* - хвост буйвола (на голове лошади, знак царского достоинства);
śikhā *f* - край, конец, почок волос, султан;
cyu I Ā. - колебаться, падать, лететь прочь, удаляться;

राजा। [सहषर्म्] कथमतीत्य हरिणं हरयो वर्तन्ते। तथा हि

यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां यदर्धे विच्छिन्नं भवति कृतसन्धानमिव तत्।

āloka *m* - взгляд, взор;

vipulatā *f* - величина, объем;
vicchid (p.p.vicchinna) - разделять;
sandhāna *n* - слединение, общение;

प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखं नयनयोर्न मे दूरे किञ्चित्क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात्॥ ९॥

rekhā *f* - черта, линия;
nayana *n* - глаз;
java *m* - быстрота, скорость;

नेपथ्ये। भो भो राजन् आश्रममृगो ऽयं न हन्तव्यो न हन्तव्यः।

सूतः। [आकर्ण्यावलोक्य च] आयुष्मन् अस्य खलु ते बाणपातपथवर्तिनः कृष्णसारस्यान्तरायौ तपस्विनौ संवृत्तौ।

bāṇa *m* - стрела;
antarāya *m* - препятствие;

राजा। [ससम्भ्रमम्] तेन हि निगृह्यन्तानभीषवः।

nigrah IX P. - держать, удерживать;

सूतः। यथाज्ञापयत्यायुष्मान्। [इति तथा करोति]

[ततः प्रविशति सशिष्यो वैखानसः]

vaikhānasa *m* - отшельник;

वैखानसः। [हस्तमुद्यम्य] भो भो राजन् आश्रममृगः खल्वयम्।

udyam I P. - поднимать;

न खलु न खलु बाणः सन्निपात्योऽयमस्मिन्मृदुनि मृगशरीरे पुष्पराशाविवाग्निः।

saṅnipat *caus.* - спускать (тетиву с лука);
mṛdu - мягкий, кроткий, тихий, нежный;
raśi *m* - куча, скопление;

क्व बत हरिणकानां जीवितं चातिलोलं क्व च निशितनिपाताः सारपुङ्खाः शरास्ते॥ १०॥

lola - шаткий, колеблющийся;
niśita - острый;
sāra - твердый, крепкий, тяжелый;
puṅkha *m* - нижняя часть стрелы, оперение;

तदाशु कृतसन्धानं प्रतिसंहर सायकम्।

sandhāna *n* - соединение, возложение (стрелы на тетиву);
pratisaṅhar I P. - снимать, убирать прочь;
sāyaka *m* - стрела;

आर्तत्राणाय वः शस्त्रं न प्रहर्तुमनागसि॥ ११॥

ārta-trāṇāya vaḥ śastram na prahartum-anāgasi
anāgas - невинный;

राजा। [सप्रणामम्] एष प्रतिसंहृतः। [इति यथोक्तं करोति]

वैखानसः। [सहर्षम्] सदृशमेवैतत्पुरुवंशप्रभवस्य नरेन्द्रप्रदीपस्य भवतः। सर्वथोभयचक्रवर्तिनं पुत्रमाप्नुहि।

puru *m* - *nom. pr.* царя Лунной династии;
pradīpa *m* - светильник, светило (*тж. в перен. смысле*);
cakravartin *m* - властелин; великодержавный царь;

राजा। [सप्रणामम्] प्रतिगृहीतं ब्राह्मणवचः।

तापसौ। राजन् समिदाहरणाय प्रस्थितावावाम्।

एष चास्मद्गुरोः कण्वस्य साधिदैवत इव शकुन्तलयानुमालिनीतीरमाश्रमो दृश्यते।

kaṇva *m nom.pr.* - имя мудреца, удочерившего Щакунталу;
sādhidaivata - находящийся под защитой богини-хранительницы;
anumālinītīram - на берегу Малини *adv.*

न चेदन्यकार्यातिपातः प्रविश्यात्र गृह्यतामतिथिसत्कारः। अपि च

atipāta *m* - упущение;
satkāra *m* - угощение, прием, оказывание чести, внимательное обращение с к.-л.;

धर्म्यास्तपोधनानां प्रतिहतविघ्नाः क्रियाः समभिवीक्ष्य।

samabhivīkṣ I Ā.- замечать, видеть;

ज्ञास्यसि कियद्भुजो मे रक्षति मौर्वीकिणाङ्क इति॥ १२॥

kiṇa *m* рубец, шрам;

राजा। अथ सन्निहितस्तत्र कुलपतिः।

saṅnihita (*p.p. от.* saṅnidhā) присутствующий, близкий;

तापसौ। इदानीमेव दुहितरमतिथिसत्कारायादिश्य दैवमस्याः प्रतिकूलं शमयितुं सोमतीर्थं गतः।

daiva - божественный; *n* божество; судьба, рок, провидение; *daivaṃ pratikūlam* злосчастье;

राजा। यद्येवं तामेव द्रक्ष्यामि। सैव विदितभक्तिर्मां महर्षये निवेदयिष्यति।

तापसौ। एवं साधयावस्तावत्। [इति सशिष्यो वैखानसो निष्क्रान्तः]

राजा। सूत प्रेरयाश्वान्। पुण्याश्रमदर्शनेन तावदात्मानं पुनीमहे।

prer (*формы см.* īr) двигаться; *caus.* гнать, обращать (взор)

सूतः। यथाज्ञापयत्यायुष्मान्। [इति भूयो रथवेगं रूपयति]

राजा। [समन्तादवलोक्य] अकथितोऽपि ज्ञायत एव यथायमाभोगस्तपोवनस्येति।

samantāt *adv.* кругом, во все стороны, со всех сторон;
ābhoga *m* владение, область, предел;

सूतः। कथमिव।

राजा। किं न पश्यसि। इह हि

नीवाराः शुककोटरार्भकमुखभ्रष्टास्तरूणामधः

nīvāra *m* - дикий рис ;
arbhaka - маленький; *m* мальчик, детеныш;

प्रस्निग्धाः क्वचिदिङ्गुदीफलभिदः सूच्यन्त एवोपलाः।

prasnigdha (*p.p.от* prasnih) - маслянистый, весьма скользкий;
iṅgudī *f* - название дерева, из орехов которого выжимают масло;
sūc (U. sūcayati/te - X, p.p. sūcita) - указывать, pass. оказываться;

विश्वासोपगमादभिन्नगतयः शब्दं सहन्ते मृगास्

viśvāsa *m* - доверие;

तोयाधारपथाश्च वल्कलशिखानिस्यन्दलेखाङ्किताः॥ १३॥

toyādhāra *m* - водоем, пруд;
valkala *m, n* - платье из мочала (одежда отшельников);
śikhā *f* - край, конец; пучок волос, султан, хохолок;
nisyanda *m* - стекание, капание;
lekhā *f* - черта, линия, след;
aṅkita (p.p. *от* aṅkay, den. aṅka) - отмеченный;

अपि च

कुल्याम्भोभिः पवनचपलैः शाखिनो धौतमूला

kulyā *f* - ручеек, канавка;
śākhin *m* - дерево;
dhāv I (U. I; p.p. dhāvita, dhauta) - бежать;

भिन्नो रागः किसलयरुचामाज्यधूमोद्गमेन ।

rāga *m* цвет, красный цвет; прелесть; любовь, страсть; мелодия
bhinna (p.p. от bhid) - поврежденный, порванный, разогнанный, измененный, разный;
kisalaya *n* почка, отпрыск, побег;
ruc *f* - блеск, вид, великолепие, цвет;

एते चार्वाग्उपवनभुवि च्छिन्नदर्भाङ्कुरायां

arvāñc (*f* arvācī, *n., adv. praep.* arvāk) обращенный сюда, по эту сторону; *adv.* вперед, сюда;
aṅkura *m* - росток, отпрыск, стебель;
darbha *m* - трава, травинка;

नष्टाशङ्का हरिणशिशवो मन्दमन्दं चरन्ति ॥ १४ ॥

सूतः । सर्वमुपपन्नम् ।

upapad - достигать, сбываться, оказываться верным, подходить; *p.p.* одаренный, обладающий;

राजा । [स्तोकमन्तरं गत्वा] सूत आश्रमोपरोधो मा भूत्तदिहैव रथं स्थापय यावदवतरामि ।

uparodha *m* препятствие, помеха; беспокойство, смущение;

सूतः । धृताः प्रग्रहा अवतरत्वायुष्मान् ।

pragraha *m* повод, узда, вожжи;

राजा । [अवतीर्यात्मानमवलोक्य च] सूत विनीतवेषप्रवेश्यानि तपोवनानि । तदिदं तावद्गृह्यतामाभरणं धनुश्च ।

vinīta (*p.p.)*- благовоспитанный, скромный;
veṣa *m* - одежда, платье;
ābharaṇa *n* - украшение, убор, наряд, драгоценности;

[इति सूतस्यार्पयति] यावदाश्रमवासिनः प्रत्यवेक्ष्य निवर्तिष्ये तावदार्द्रपृष्ठाः क्रियन्तां वजिनः ।

ar (I P. ṛcchati) идти, попадать на, доставаться; *caus.* arpayati - давать, передавать, вручать, пускать;
pratyavekṣ (*формы см.* īkṣ) - осматривать, осведомляться;
ārdra - мокрый, влажный, нежный;
vajin *m* - лошадь;

सूतः । यथाज्ञापयसि । [इति निष्क्रान्तः]

राजा । [परिक्रम्यावलोक्य च] इदमाश्रमपदं । यावत्प्रविशामि । [प्रविष्टकेन निमित्तं सूचयित्वा] अये

parikram IV P. - прохаживаться;
praviṣṭaka *instr.* телодвижением входящего; (*в драме*) - телодвижением актер представляет, что вошел;
nimitta *n* - цель, причина; знак, предзнаменование;

शान्तमिदमाश्रमपदं स्फुरति च बाहुः कुतः फलमिहास्य ।

sphur (P. VI p.p. sphurita) бросать; вскакивать, прыгать; волноваться, дрожать;

अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र ॥ १५ ॥

नेपथ्ये । *इदो इदो पिअसहीओ* ।

(перевод на санскрит) इत इतः प्रियसख्यौ ।

राजा । [कर्णं दत्त्वा] अये दक्षिणेन वृक्षवाटिकामालाप इव श्रूयते । भवत्ववगच्छामि ।

ālapa *m* - разговор;

[परिक्रम्यावलोक्य च] अये एतास्तपस्विकन्यकाः स्वप्रमाणानुरूपैः सेचनघटैर्बालपादपेभ्यः पयो दातुमित एवाभिवर्तन्ते। अहो मधुरमासां दर्शनम्।

secanaghaṭa *m* - лейка;
abhivart I U. - направляться, приближаться;

शुद्धान्तदुर्लभमिदं वपुराश्रमवासिनो यदि जनस्य।
दूरीकृताः खलु गुणैरुद्यानलता वनलताभिः॥ १६॥

dūrī kar - удалять, далеко оставлять за собою, превосходить;
latā *f* - лиана;

यावदेताश्छायामाश्रित्य प्रतिपालयामि। [इति विलोकयन्स्थितः]

[ततः प्रविशति यथोक्तव्यापारा सह सखीभ्यां शकुन्तला]

vyāpāra *m* - занятие, дело;

एका। *हला सउन्तले तत्तो वि तादकण्णस्स अस्समरुक्खआ पिअ त्ति तक्केमि। जेण णोमालिआकुसुमपरिपेलवा वि तुमं एदेसुं आलवालपूरणेसुं णिउत्ता।*

(перевод на санскрит) सखि शकुन्तले त्वत्तो ऽपि तातकण्वस्याश्रमवृक्षाः प्रिया इति तर्कयामि।

tark X P.- думать, полагать;

येन नवमालिकाकुसुमपरिपेलवापि त्वमेतेष्वालवालपूरणेषु नियुक्ता।

navamālikā *f* - жасмин;
paripelava - очень нежный;
ālavāla *n* - канавка;
pūraṇa *n* - наполнение;

शकुन्तला। *हला अणसूए ण केवलं तादस्स णिओओ मम वि सहोअरसिणेहो एदेसुं।*

(перевод на санскрит) सखि अनसूये न केवलं तातस्य नियोगो ममापि सहोदरस्नेह एतेषु।

niyoga *m* - поручение, дело, обязанность;
sahodara - единоутробный, *m* - родной брат, *f* родная сестра;

[इति वृक्षसेचनं नाटयति]

nāṭaya *caus.* - представлять на сцене движением (тела), обнаруживать движением (лица, тела);

प्रियंवदा। *सहि सउन्तले उदअं लम्भिदा एदे गिम्हआलकुसुमदाइणो अस्समरुक्खआ। इदाणिं अदिक्कन्तकुसुमसमए वि रुक्खए सिञ्चम्ह। तेण अणहिसन्धिगरुओ धम्मो भविस्सदि।*

(перевод на санскрит) सखि शकुन्तले उदकं लम्भिता एते ग्रीष्मकालकुसुमदायिन आश्रमवृक्षाः।

इदानीमतिक्रान्तकुसुमसमयानपि वृक्षान्सिञ्चामः। तेनानभिसन्धिगुरुर्धर्मो भविष्यति।

anabhisandhi *m* - бескорыстие;

शकुन्तला। *सहि रमणीअं मन्तेसि।*

(перевод на санскрит) सखि रमणीयं मन्त्रयसि। [इति भुयो वृक्षसेचनं नाटयति]

राजा। [आत्मगतम्] कथमियं सा कण्वदुहिता शकुन्तला।

ātmagatam *adv.* (в драме) про себя;

[सविस्मयम्] अहो असाधुदर्शी तत्रभवान्कण्वो य इमां वल्कलधारणे नियुङ्क्ते।

asādhudarśin - неблагоразумный;

valkala *m, n* - одежда из лыка, платье отшельников;
niyuj VII U. - принуждать, назначать, поручать;

इदं किलाव्याजमनोहरं वपुस्तपःक्लमं साधयितुं य इच्छति ।

avyāja - без искусственных средств;
klama *m* - усталость, изнеможение, изнурение;

ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया शमीलतां छेत्तुमृषिर्व्यवस्यति ॥ १७ ॥

dhārā *f* - лезвие, острие;
śamī *f* - *Mimosa Suma*, дерево с очень твердой древесиной;
vyavasā IV P. - предпринимать, решаться, хотеть;

भवतु पादपान्तरितो विश्वस्तां तावदेनां पश्यामि । [इत्यपवार्य स्थितः]

antari - прятаться, скрываться;
viśvasta - беззаботный, доверчивый, ничего не подозревающий;
apavar *caus.* - скрывать;
apavārya *ger.* от apavar; (в драме) скрываясь, втайне, тихо, про себя;

शकुन्तला । *हला अणसूए अदिपिणद्धेण एदिणा वक्कलेण पिअंवदाए दढं पीडिद म्हि । ता सिढिलेहि दाव णं ।*

(перевод на санскрит) सखि अनसूये अतिपिनद्धेनामुना वल्कलेन प्रियंवदया दृढं पीडितास्मि ।

pinah IV P. (p.p. pinaddha) - завязывать, привязывать, покрывать;

तच्छिथिलय तावदेनम् । [अनसूया शिथिलयति]

śithilaya *den.* - развязывать, ослаблять связанное;

प्रियंवदा । [सहासम्] *एत्थ दाव पओहरवित्थारइत्तअं अत्तणो जोव्वणारम्भं उवालहस्स ।*

(перевод на санскрит) अत्र तावत्पयोधरविस्तारयितारमात्मनो यौवनारम्भमुपालभस्व ।

payodhara *m* - женская грудь;
vistārayitar - расширяющий;
upalābh I Ā. - упрекать, порицать;

राजा । सम्यगियमाह ।

इदमुपहितसूक्ष्मग्रन्थिना स्कन्धदेशे स्तनयुगपरिणाहाच्छादिना वल्कलेन ।

upahita - связанный, наложенный (p.p. от upadhā);
stana *m* - женская грудь;
pariṇāha *m* - объем;

वपुरभिनवमस्याः पुष्यति स्वां न शोभां कुसुममिव पिनद्धं पाण्डुपत्रोदरेण ॥ १८ ॥

puṣ P. IV или IX - увеличивать, обнаруживать, показывать;
pāṇḍu - бледный, белый, блеклый;

अथवा काममप्रतिरूपमस्य वयसो वल्कलं न पुनरलङ्कारश्रियं न पुष्णाति । कुतः

apratirūpa - неподходящий;

सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति ।

sarasija *n* - цветок лотоса;
anuviddha (p.p. от anuvyadh) - подернутый, покрытый;
śaivala *m* - водяное растение *Blyxa Octandra*;
ramya (p.n. от ram) - приятный, прелестный; спокойный, мирный,
himāṅśu *m* - луна;
lakṣman *n* - знак, признак, примета;

इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी किमिव हि मधुराणां नाकृतीनाम् ॥ १९ ॥

tanvī *f* - девушка, стройная женщина;
ākṛti *f* - вид, осанка, стан;

शकुन्तला। [अग्रतो ऽवलोक्य]

सहीओ एस वादेरिदपल्लवङ्गुलीहिं किं पि वाहरेदि विअ मं चुदरुक्खओ। ता जाव णं सम्भावेमि।

(перевод на санскрит) सख्यौ एष वातेरितपल्लवाङ्गुलीभिः किमपि व्याहरतीव मां चूतवृक्षः।

īrita (p.p. caus īr) - двигающий(ся);
pallava *m, n* - ветвь, отросток;
cūta *m* - манговое дерево;

तद्यावदेनं सम्भावयामि। [इति तथा करोति]

sambhāvaya *caus.* - дорожить, уважать, оказывать честь, приветствовать;

प्रियंवदा। *हला सउन्तले इध ज्जेव मुहुत्तअं चिट्ठ।*

(перевод на санскрит) सखि शकुन्तले इहैव मुहुर्तं तिष्ठ।

शकुन्तला। *किं णिमित्तं।*

(перевод на санскрит) किं निमित्तम्।

nimitta *n* - цель, причина;

प्रियंवदा। *तए समीवट्ठिआए लदासणाधो विअ अअं पडिहादि चूदरुक्खओ।*

(перевод на санскрит) त्वया समीपस्थितया लतासनाथ इवायं प्रतिभाति चूतवृक्षः।

pratibhā II P. - сиять, являться, казаться;

शकुन्तला। *अदो जेव पिअंवद त्ति वुच्चसि।*

(перевод на санскрит) अत एव प्रियंवदेत्युच्यसे।

राजा। अवितथमाह प्रियंवदा। तथा ह्यस्याः

avitatham *adv.* - верно, по правде;

अधरः किसलयरागः कोमलविटपानुकारिणौ बाहू।

adhara *m* - нижняя губа, губы (sg.);
kisalaya *n* - почка, побег;
viṭapa *m* - ветвь;
anukārin - похожий, подражающий, подходящий;

कुसुममिव लोभनीयं यौवनमङ्गेषु सन्नद्धम्॥ २०॥

lobhanīya - пленительный, прелестный;
sannah (p.p. sannaddha) - связывать, соединять; одевать;

अनासूया। *हला सउन्तले इअं सअंवरवहू सहआरस्स तए किदणामहेआ वणदोसिणि त्ति णोमालिआ।*

(перевод) सखि शकुन्तले इयं स्वयंवरवधूः सहकारस्य त्वया कृतनामधेया वनज्योत्स्नीति नवमालिका।

sahakāra *m* - манговое дерево (вид ароматного манго);
jyotsnī *f* - лунный свет;

शकुन्तला। [उपगम्यावलोक्य च सहर्षम्] *हला रमणीओ क्खु इमस्स पादवमिधुणस्स वदिअरो संवुत्तो। इअं णवकुसुमजोव्वणा णोमालिआ अअं च बद्धफलदाए उवभोअक्खमो सहआरो त्ति।* [इति पश्यन्ती तिष्ठति]

(перевод на санскрит) सखि रमणीयः खल्वेतस्य पादपमिथुनस्य व्यतिकरः संवृत्तः।

mithuna *m, n* - чета, пара;
vyatikara *m* - смешение, соединение;

इयं नवकुसुमयौवना नवमालिकायं च बद्धफलतयोपभोगक्षमः सहकार इति ।

bandh (U. IX p.p. baddha) связывать, завязывать; привязывать; *pass.* связывать себя, быть связанным ч.-л., приниматься (о родах, ростках), обнаруживаться;

phalatā *f* - плодовитость;

upabhoga *m* - наслаждение;

kṣama - терпимый, возможный, способный;

प्रियंवदा । [सस्मितम्] *अणसूए जाणासि किं णिमित्तं सउन्तला वणदोसिणिं अदिमेत्तं पेक्खदि त्ति ।*

(перевод на санскрит) अनसूये जानासि किं निमित्तं शकुन्तला वनज्योत्स्नीमतिमात्रं प्रेक्षत इति ।

atimātra - чрезмерный; *adv.* чрезмерно, очень;

अनासूया । *णक्खु विभावेमि । कधेहि ।*

(перевод на санскрит) न खलु विभावयामि । कथय ।

vibhāvaya - догадываться, узнавать;

प्रियंवदा । *जधा वणदोसिणी सरिसेण पादवेण सङ्गदा तधा णाम अहं पि अत्तणो अणुरूवं वरं लहेअं ति ।*

(перевод на санскрит) यथा वनज्योत्स्नी सदृशेन पादपेन सङ्गता तथा नामाहमप्यात्मनो ऽनुरूपं वरं लभेयमिति ।

शकुन्तला । *एस दे अत्तगदो मणोरधो*। [इति कलसमावर्जयति]

(перевод на санскрит) एष त आत्मगतो मनोरथः ।

kalasa *m* - кувшин, лейка;

āvarjaya *caus.* - наклонять;

अनासूया । *हला सउन्तले इअं तादकण्णेण तुमं विअ सहत्थसंवड्ढिदा माहवीलदा । इमं विसुमरिदासि ।*

(перевод на санскрит) सखि शकुन्तले इयं तातकण्वेन त्वमिव स्वहस्तसंवर्धिता माधवीलता । इमां विस्मृतासि ।

vismar I P.- забывать;

शकुन्तला । *तदो अत्ताणअं पि विसुमरिस्सं*।

[लतामुपेत्यावलोक्य च सहर्षम्] *अच्छरीअं अच्छरीअं पिअंवदे पिअं दे णिवेदेमि*।

(перевод на санскрит) तत आत्मानमपि विस्मरिष्यामि । आश्चर्यमाश्चर्यं प्रियंवदे प्रियं ते निवेदयामि ।

āścarya - чудный, чудесный; *n* чудо;

प्रियंवदा । *सहि किं मे पिअं*।

(перевод на санскрит) सखि किं मे प्रियम् ।

शकुन्तला । *असमए क्खु एसा आ मूलादो मउलिदा माहवीलदा*।

(перевод на санскрит) असमये खल्वेषा मूलान्मुकुलिता माधवीलता ।

asamaya *m* - не вовремя;

mukulita - покрытый бутонами, почками, не распустившийся;

उभे । [सत्वरमुपगम्य] *सहि सच्चं सच्चं*।

(перевод на санскрит) सखि सत्यं सत्यम् ।

शकुन्तला । *सच्चं किं ण पेक्खध*। (перевод на санскрит) सत्यं किं न प्रेक्षेथे ।

प्रियंवदा । [सहर्षं निरूप्य] *तेण हि पडिप्पिअं दे णिवेदेमि । आसण्णपाणिग्गहणासि तुमं*।

(перевод на санскрит) तेन हि प्रतिप्रियं ते निवेदयामि । आसन्नपाणिग्रहणासि त्वम् ।

nirūpaya - осматривать;

शकुन्तला। [सासूयम्] *णूणं एस दे अत्तगदो मणोरधो।*

(перевод на санскрит) नूनमेष त आत्मगतो मनोरथः।

sāsuyam *adv.* - с недовольством;

प्रियंवदा। *ण क्खु परिहासेण भणामि। सुदं क्खु मए तादकण्णस्स मुहादो तुह कल्लाणसूअअं इदं णिमित्तं ति।*

(перевод на санскрит) न खलु परिहासेन भणामि। श्रुतं खलु मया तातकण्वस्य मुखात्तव कल्याणसूचकमेतन्निमित्तमिति।

parihāsa *m* - шутка;
bhaṇ (P. I bhaṇati) - говорить;
kalyāṇa, *f* ī - счастливый; добрый; красивый, прекрасный; *n* счастье;
sūcaka - указывающий на, означающий;

अनासूया। *पिअंवदे अदो जेव सउन्तला ससिणेहा माहवीलदं सिञ्चदि।*

(перевод на санскрит) प्रियंवदे अत एव शकुन्तला सस्नेहा माधवीलतां सिञ्चति।

शकुन्तला। *जदो बहिणिआ मे भोदि तदो किं ति ण सिञ्चिस्सं।* [इति कलसमावर्जयति]

(перевод на санскрит) यतो भगिनी मे भवति ततः किमिति न सेक्ष्यामि।

bhaginī *f* - сестра;

राजा। अपि नाम कुलपतेरियमसवर्णक्षेत्रसम्भवा भवेत्। अथवा कृतं सन्देहेन।

asavarṇa - принадлежащий к другой касте;
saṅdeha *m* - сомнение; *kṛtaṃ saṅdehena* конец сомнению! к чему сомнение!

असंशयं क्षत्रपरिग्रहक्षमा यदार्यमस्यामभिलाषि मे मनः।

parigraha *m* - занятие, попечение; замужество, брак; собственность, имущество; взятие, принятие;
kṣama - терпеливый, терпимый; сносный, возможный, способный;
abhilāṣin - стремящийся к ч.-л.;

सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः॥ २१॥

saṅdehapada -подлежащий сомнению, сомнительный;
antaḥkaraṇa *n* - внутренный орган, сердце, душа;

तथापि तत्त्वत एनामुपलप्स्ये।

upalabh Ā. I - находить; достигать, получать назад; узнавать, удостоверяться; воспринимать;

शकुन्तला। [ससम्भ्रमम्] *अम्मो णोमालिअं उज्झिअ वअणं मे महुअरो अहिलसदि।* [इति भ्रमरबाधां रूपयति]

(перевод на санскрит) अहो नवमालिकामुज्झित्वा वदनं मे मधुकरोऽभिलषति।

sasaṃbhramam *adv.*- смущаясь, поспешно;
ujjh (P. VI ujjhati, p.p. ujjhita) - оставлять;
abhilaṣ I - добиваться, желать, хотеть;
bādhā *f* - притеснение, преследование (со стороны другого); вред, беда;

राजा। [सस्पृहं]

saspṛham *adv.* - с удовольствием, в восхищении;

यतो यतः षट्चरणोऽभिवर्तते ततस्ततः प्रेरितवामलोचना।

ṣaṭcaraṇa - шестиногий; *m* пчела;
prer X U. - двигаться; *caus.* гнать, обращать (взор);

विवर्तितभ्रूरियमद्य शिक्षते भयादकामापि हि दृष्टिविभ्रमम्॥ २२॥

vivart Ā I *caus.*- двигать (бровями);
akāma - без любви, невлюбленный;
vibhrama *m* - мигание, кокетство; шаткость, неустойчивость;

अपि च [सासूयमिव]

चपलापाङ्गां दृष्टिं स्पृशसि बहुशो वेपथुमतीं

capala движимый, двигающийся;
apāṅga *m* - внешний угол глаза;
vepathumant - дрожащий;

रहस्याख्यायीव स्वनसि मृदु कर्णान्तिकचरः ।

svan (P. I svanati) - звучать, жужжать;
ākhyāyin - рассказывающий, сообщающий;
antika *n* - близость; *acc. abl.* к; *loc.* вблизи, при, у;

करं व्याधुन्वत्याः पिबसि रतिसर्वस्वमधरं

vyādhū V U. - махать;

वयं तत्त्वान्वेषान्मधुकर हतास्त्वं खलु कृती ॥ २३ ॥

anveṣa *m* - поиски, разведывание;
kṛtin - достигший своей цели, довольный;

शकुन्तला । *हला परित्ताअध मं इमिणा दुट्ठमहुअरेण अहिहूअमाणं ।*

(перевод на санскрит) सख्यौ परित्रायेथां मामनेन दुष्टमधुकरेणाभिभूयमानाम् ।

paritrā I, IV P. - защищать, спасать;
abhibhū I P.- одолевать; охватывать; превозмогать; нападать, стеснять, преследовать;

उभे । [सस्मितम्] *का अम्हे परित्ताणे । एत्थ दाव दुस्सन्तं सुमर अदो राअरक्खिदाइं तवोवणाइं ।*

(перевод на санскрит) के आवां परित्राणे । अत्र तावद्दुष्यन्तं स्मर यतो राजराक्षितानि तपोवनानि ।

राजा । अवसरः खल्वयमात्मानं दर्शयितुम् । न भेतव्यम् [इत्यर्धोक्ते ऽपवार्य] एवं राजाहमिति परिज्ञानं भवेत् । भवतु अतिथिसमाचारमवलम्बिष्ये ।

avasara *m* - удобный случай;
ardhokta - недосказанный; *loc.* (в драме) прервав свою речь;
parijñāna *n* - знание, узнавание;
samācāra *m* - поведение, образ действия, вид;
avalamb Ā. I - опираться, принимать; *caus.* вешать;

शकुन्तला । *ण एसो दुव्विणीदो विरमदि । ता अण्णदो जमिस्सं ।* [पदान्तरे सदृष्टिक्षेपम्] *हद्धी हद्धी कधं इदो मं अणुसरादि । ता परित्ताअध मं ।*

(перевод на санскрит) नैष दुर्विनीतो विरमति । तदन्यतो गमिष्यामि । हा धिक् हा धिक् कथमितो ऽपि मामनुसरति । तत्परित्रायेथां माम् ।

durvinīta - непочтительный, плохо воспитанный;
sadṛṣṭivikṣepam *adv.* озираясь вокруг себя;

राजा । [सत्वरमुपगम्य] आः

कः पौरवे वसुमतीं शासति शासति शासितरि दुर्विनीतानाम् ।

अयमाचरत्यविनयं मुग्धासु तपस्विकन्यासु ॥ २४ ॥

paurava *m* - потомок Пуру;

avinaya *m* шалость, неприличное поведение;

[सर्वा राजानं दृष्ट्वा किञ्चिदिव सम्भ्रान्ताः]

saṃbhrānta (p.p. от saṃbhram) - смущенный;

अनासूया। *अज्ज ण किं पि अच्चाहिदं किं तु इअं णो पिअसही महुअरेण आउलीमाणा कादरीभूदा।* [इति शकुन्तलां दर्शयति]

(перевод на санскрит) आर्य न किमप्यत्याहितं किं त्वियमावयोः प्रियसखी मधुकरेणाकुलीक्रियमाणा कातरीभूता।

atyāhita *n* - напасть, большая беда;
ākula - смешанный, смущенный, озабоченный, обеспокоенный; полный;
kātarī +bhū - тревожиться, беспокоиться;

राजा। [शकुन्तलामुपेत्य] अयि तपो वर्धते। [शकुन्तला ससाध्वसावनतमुखी तिष्ठति]

sasādhvasa - в волнении, робкий;
avanatamukha (*p.p. от* avanam) *f* ī, - опустивший глаза, лицо;

अनासूया। *इदाणिं अदिधिविसेसलाहेण।*

(перевод на санскрит) इदानीमतिथिविशेषलाभेन।

प्रियंवदा। *साअदं अज्जस्स। हला सउन्तले गच्छ उउआदो फलमिस्सं अग्घं उवहर इदं पि पादोदअं भविस्सदि।*

(перевод) स्वागतमार्यस्य। सखि शकुन्तले गच्छोटजात्फलमिश्रमर्घ्यमुपहरेदमपि पादोदकं भविष्यति।

uṭaja *m, n* - шалаш;
miśra - смешанный;
arghya *n* - почетная вода (для гостя и др. почетных лиц);

राजा। भवति सूनृतयैव वाचा कृतमातिथ्यम्।

sūnṛta - ласковый, приветливый;

अनासूया। *तेण हि इमस्सिं सहावसीदलाए छत्तवण्णवेदिआए उवविसिअ परिस्समं अवणेदु अज्जो।*

(перевод на санскрит) तेन ह्यस्यां स्वभावशीतलायां सप्तपर्णवेदिकायामुपविश्य परिश्रममपनयत्वार्यः।

saptaparṇa *m* - название растения Alstonia Scholaris;
vedikā *f* - терраса;
apanī I P. - устранять, удалять; *pass.* удаляться, уходить;

राजा। ननु यूयमप्यनेन धर्मकर्मणा परिश्रान्तः। तन्मुहूर्तमुपविशत।

प्रियंवदा। [जनान्तिकम्] *हला सउन्तले उइदं णो दिधिपज्जुवासणं। ता एहि उवविसम्ह।* [इति सर्वा उपविशन्ति]

(перевод на санскрит) सखि शकुन्तले उचितं नो ऽतिथिपर्युपासनम्। तदेहि उपविशाम।

ucita (*p.p. от* uc, ucyati - нравиться) - пристойный; *instr. adv.* как тебе угодно;
paryupāsana *n* - окружение, услужливость, ласковое обращение;

शकुन्तला। [आत्मगतम्] *किं णु क्खु इमं पेक्खिअ तवोवणविरोहिणो विआरस्स गमणीअ म्हि संवुत्ता।*

(перевод на санскрит) किं नु खल्विमं जनं प्रेक्ष्य तपोवनविरोधिनो विकारस्य गमनीयास्मि संवृत्ता।

virodhin - противящийся, несогласный с ч.-л.;
vikāra *m* - изменение; настроение, чувство;

राजा। [सर्वा अवलोक्य] अहो समानवयोरूपरमणीयं सौहार्दमत्रभवतीनाम्।

sauhārda *n* - дружба, любовь;

प्रियंवदा। [जनान्तिकम्] *हला अणसूए को णु क्खु एसो दुरवगाहगम्भीराकिदी महुरं आलवन्तो पहुत्तदक्खिणं वित्थारेदि।*

(перевод) सखि अनासूये को नु खल्वेष दुरवगाहगम्भीराकृतिर्मधुरमालपन्प्रभुत्वदाक्षिण्यं विस्तारयति।

duravagāha - труднодоступный, непостижимый;
gambhīra - глубокий, таинственный;
ākṛti *f* - вид, осанка, стан;
prabhutva *n* - величие; *-prabhutva* с величием;
dākṣiṇya *n* - любезность, ласковое обращение;

अनासूया। *हला मम वि कोदूहलं। पुच्छिस्सं दाव णं* [प्रकाशम्] *अज्जस्स महुरालाबजणिदो विस्सम्भो मं आलावेदि। कदरो उण अज्जेण राएसिवंसो अलङ्करीअदि। कदरो वा देसो विरहपज्जुस्सुओ करीअदि। किं णिमित्तं वा अज्जेण सुउमारेण तवोवणागमणपरिस्समे अप्पा उवणीदो त्ति।*

(перевод на санскрит) सखि ममापि कौतूहलम्। प्रक्ष्यामि तावदेनम्।

kautūhala *n* - желание, охота, любопытство;
prakāśa - светящийся, явный, очевидный, *m* свет, блеск; *acc. adv.* громко;

आर्यस्य मधुरालापजनितो विश्रम्भो मामालापयति।

viśrambha *m* - доверие, доверчивость;

कतमः पुनरार्येण राजर्षिवंशो ऽलंक्रियते।

कतमो वा देशो विरहपर्युत्सुकः क्रियते।

viraha *m* - разлука; отсутствие;
paryutsuka - сильно тоскующий;

किं निमित्तं वार्येण सुकुमारेण तपोवनागमनपरिश्रम आत्मोपनीत इति।

शकुन्तला। [आत्मगतम्] *हिअअ मा उत्तम्म। जं तए चिन्तिदं तं अणसूआ मन्तेदि।*

(перевод на санскрит) हृदय मोत्ताम्य। यत्त्वया चिन्तितं तदनसूया मन्त्रयति।

uttam IV P. - замирать (о сердце);
mantray (*den. med. act*; pf. mantrayām āsa, ger. -mantrya) - говорить, совещаться;

राजा। [स्वगतम्] कथमिदानीमात्मानं निवेदयामि कथं वात्मनः परिहारं करोमि।

parihāra *m* - удерживание, утаивание;

[विचिन्त्य] भवत्वेवं तावत्। [प्रकाशम्]।

भवति वेदविदस्मि राज्ञः पौरवस्य नगरधर्माधिकारे नियुक्तः पुण्याश्रमदर्शनप्रसङ्गेन धर्मारण्यमिदमायातः।

adhikāra *m* - надзор, управление, должность, служба;
niyuj VII U. - принуждать, назначать, поручать, *caus.* вставлять в оправу;
prasaṅga *m* - связь, случай; *instr. adv.* при случае;

अनासूया। *सणाधा धम्मआरिणो।* [शकुन्तला शृङ्गारलज्जां नाटयति]

(перевод на санскрит) सनाथा धर्मचारिणः।

śṛṅgāra *m* - любовь; одна из рас индийской поэзии - любовь между мужчиной и женщиной;
lajjā *f* - срам, стыд, стыдливость;

सख्यौ। [उभयोराकारं विदित्वा जनान्तिकम्] *हला सउन्तले जइ अज्ज तादो इध सण्णिहिदो भवे।*

(перевод на санскрит) सखि शकुन्तले यद्यद्य तात इह सन्निहितो भवेत्।

saṅnihita (*p.p. от.* saṅnidhā) присутствующий, близкий; + *tatra* - налицо, дома

शकुन्तला । *तदो किं भवे ।*

(перевод на санскрит) ततः किं भवेत् ।

उभे । *तदो जीविदसव्वस्सेणावि इमं अदिधिविसेसं कदत्थं करेदि ।*

(перевод на санскрит) ततो जीवितसर्वस्वेनापीममतिथिविशेषं कृतार्थं करोति ।

kṛtārtha - достигший своей цели, довольный;

शकुन्तला । [सकृतककोपम्] *अवेध किं पि हिअए कदुअ मन्तेध । ण वो वअणं सुणिस्सं ।*

(перевод на санскрит) अपेतं किमपि हृदये कृत्वा मन्त्रयेथे । न वो वचनं श्रोष्यामि ।

राजा । वयमपि तावद्भवत्यौ सखीगतं किञ्चित्पृच्छामः ।

gata (*pp. от* gam) - идущий, шедший, находящийся, относящийся;

उभे । *अज्ज अणुग्गहे वि अब्भत्थणा ।*

(перевод на санскрит) आर्य अनुग्रहे ऽप्यभ्यर्थना ।

anugraha *m* - милость, любезность, одолжение; услужливость, угодливость;
abhyarthanā *f* просьба;

राजा । तत्रभवान्कण्वः शाश्वते ब्रह्मणि वर्तत इयं च वः सखी तस्यात्मजेति कथमेतत् ।

अनासूया । *सुणादु अज्जो । अत्थि कोसिओ त्ति गोत्तणामधेओ महप्पहावो राएसी ।*

(перевод на санскрит) शृणोत्वार्यः । अस्ति कौशिक इति गोत्रनामधेयो महाप्रभावो राजर्षिः ।

kauśika *m patron.* - потомок Кушики, из рода Kuśika (*имя Вишвамитры*);

राजा । स खलु भगवान्कौशिकः ।

अनासूया । *तं सहीए पहवं अवगच्छ । उज्झिदसरीरसंवड्ढणाए उण तादकण्णो से पिदा ।*

(перевод на санскрит) तं सख्याः प्रभवमवगच्छ । उज्झितशरीरसंवर्धनया पुनस्तातकण्वो ऽस्याः पिता ।

ujjh (P. VI ujjhati, p.p. ujjhita) - оставлять;
śarīra *n, m* - тело; туловище; особа;
saṃvardhanā *f* - вскармливание, взращивание, воспитание;

राजा । उज्झितशब्देन जनितं नः कुतूहलम् । तदा मूलाच्छ्रोतुमिच्छामः ।

mūla *n* - корень; основа, начало;

अनासूया । *सुणादु अज्जो । पुरा किला तस्स राएसिणो उग्गे तवसि वत्तमाणस्स कधं पि जादसङ्केहिं देवेहिं मेणआ णाम अच्छरा णिअमविग्घआरिणी पेसिदा ।*

(перевод на санскрит) श्रृणोत्वार्यः । पुरा किल तस्य राजर्षेरुग्रे तपसि वर्तमानस्य कथमपि जातशङ्कैर्देवैर्मेनका नामाप्सरा नियमविघ्नकारिणी प्रेषिता ।

menakā - *nom.pr.* - имя апсары;

राजा । अस्त्येतदन्यसमाधिभीरुत्वं देवानाम् । ततस्ततः ।

samādhi *m* - благоговение, благочестие, сосредоточение;
bhīrutva *n* - опасение, страх;

अनासूया । *तदो वसन्तोदाररमणीए समए उम्मादइत्तअं ताए रूवं पेक्खिअ ।* [इत्यर्धोक्ते लज्जां नाटयति]

(перевод на санскрит) ततो वसन्तावताररमणीये समय उन्मादयत्तस्या रूपं प्रेक्ष्य ।

unmādayant - чарующий, очаровательный;

राजा। पुरस्तादवगम्यत एव। सर्वथाप्सरःसम्भवैषा।

purastāt *adv.* впереди, дальше; в присутствии *кого-либо* (*gen.*);
sarvathā *adv.* совершенно, полностью, вполне; во всяком случае, непременно;

अनासूया। *अधइं।*

(перевод на санскрит) अथ किम्।

राजा। उपपद्यते।

upapad IV- Ā достигать, доставаться, сбываться, оказываться верным, подходить;

मानुषीभ्यः कथं नु स्यादस्य रूपस्य सम्भवः।

न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्॥ २५॥

prabhātarala - сверкающий;
vasudhā *f* - земля, почва, страна;

[शकुन्तला सव्रीडाधोमुखी तिष्ठति]

savrīḍa стыдливый; *acc. adv.* - стыдливо, со стыдом;
adhomukha, *f* ī - с опущенным лицом (взором);

राजा। [आत्मगतम्] हन्त लब्धावकाशो मे मनोरथः।

avakāśa - простор, вид (надежда);

प्रियंवदा। [सस्मितं शकुन्तलां विलोक्य] *पुणो वि वत्तुकामो विअ अज्जो।*

(перевод на санскрит) पुनरपि वक्तुकाम इवार्यः।

vaktukāma - желающий сказать;

[शकुन्तला सखीमङ्गुल्या तर्जयति]

tarj (P. I, X; p.p. tarjita) - грозить, угрожать;
aṅguli (*тж.* aṅgulī) *f* - палец;

राजा। सम्यगुपलक्षितं भवत्या। अस्ति नः सुचरितश्रवणलोभादन्यदपि प्रष्टव्यम्।

upalakṣaya - означать, замечать, видеть;
sucarita *n* - хорошее поведение, доброе дело;

प्रियंवदा। *तेण हिअलं विआरिदेण। अणिज्जन्तणणिओओ क्खु तवस्सिअणो।*

(перевод на санскрит) तेन ह्यलं विचारितेन। अनियन्त्रणनियोगः खलु तपस्विजनः।

vicārita *n* - мешкание, колебание, сомнение;
aniyantraṇa - неограниченный, ничем не связанный;
niyoga *m* - поручение, дело, обязанность; решение, необходимость;

राजा। एतत्पृच्छामि।

वैखानसं किमनया व्रतमा प्रदानाद्व्यापाररोधि मदनस्य निषेवितव्यम्।

vyāpāra *m* - занятие, дело;
-rodhin - мешающий, препятствующий;
niṣev (Ā. pr. sevate I) - обитать, прислуживать; пребывать, почитать;

अत्यन्तमेव सदृशेक्षणवल्लभाभिराहो निवत्स्यति समं हरिणाङ्गनाभिः॥ २६॥

atyantam *adv.* - навсегда, постоянно;
vallabha *f* ā - дорогой, милый, любимый;
āho -или (при вопросе);
samam *acc. adv.*- вместе с, с;

aṅganā *f* - женщина, жена (*varāṅganā* - красавица), самка;

प्रियंवदा । *अज्ज धम्माअरणपरवसो अअं जणो । गुरुणो उण से अणुरूववरप्पदाणे सङ्कप्पो ।*

(перевод на санскрит) आर्य धर्माचरणपरवशो ऽयं जनः । गुरोः पुनरस्या अनुरूपवरप्रदाने सङ्कल्पः ।

anurūpa - соответствующий, подходящий, достойный;

राजा । [आत्मगतः सहर्षम्]

भव हृदय साभिलाषं सम्प्रति सन्देहनिर्णयो जातः ।

abhilāṣa *m* - желание;
saṅdeha *m* сомнение;
nirṇaya *m* - устранение, решение;

आशङ्कसे यदग्निं तदिदं स्पर्शक्षमं रत्नम् ॥ २७ ॥

āśaṅk I Ā - предполагать, считать, думать;
kṣama - терпеливый, терпимый; сносный, возможный, способный;

शकुन्तला । [सरोषमिव] *अणसूए गमिस्सं अहं ।*

(перевод на санскрит) अनसूये गमिष्याम्यहम् ।

roṣa *m* - гнев;

अनासूया । *किं णिमित्तं ।*

(перевод на санскрит) किं निमित्तम् ।

शकुन्तला । *इमं असम्बद्धप्पलाविणिं पिअंवदं अज्जाए गोदमीए गदुअ णिवेदइस्सं ।* [इत्युत्तिष्ठति]

(перевод на санскрит) इमामसम्बद्धप्रलापिनीं प्रियंवदामार्यायै गौतम्यै गत्वा निवेदयिष्यामि ।

asaṃbaddha - несвязный, вздорный;

अनासूया । *सहि ण जुत्तं अस्समवासिणो जणस्स अकिदसक्कारं अदिधिविसेसं उज्झिअ सच्छन्ददो गमणं ।*

[शकुन्तलोत्तरमदत्त्वैव प्रस्थिता]

(перевод) सखि न युक्तमाश्रमवासिनो जनस्याकृतसत्कारमतिथिविशेषमुज्झित्वा स्वच्छन्दतो गमनम् ।

ujjh (P. VI ujjhati, p.p. ujjhita) - оставлять;
svacchandatas *adv*. по своей воле, как угодно;
uttara *n* - возражение, ответ;

राजा । [अपवार्य] कथं गच्छति । [उत्थाय जिघृक्षुरिवेच्छां निगृह्य] अहो चेष्टाप्रतिरूपिका कामिजनमनोवृत्तिः । अहं हि

jighṛkṣu - желающий схватить, удержать (*des*. прил. *от* grah);
nigrah IX U. - держать, удерживать, сдерживать, обуздывать ;
ceṣṭā *f* движение, поведение;
pratirūpaka, *f* - ikā похожий, согласный;
kāmijana *m* - влюбленный, любящий человек;

अनुयास्यन्मुनितनयां सहसा विनयेन वारितप्रसरः ।

anuyā II P. - следовать за;
prasara *m* движение вперед;

स्वस्थानादचलन्नपि गत्वेव पुनः प्रतिनिवृत्तः ॥ २८ ॥

प्रियंवदा । [शकुन्तलामुपेत्य] *हला चण्डि ण लब्भदि गन्तुं ।*

(перевод на санскрит) सखि चण्डि न लभ्यते गन्तुम् ।

caṇḍa, *f* ī - вспыльчивый, жестокий;

शकुन्तला। [परिवृत्य सभ्रूभङ्गम्] *किं ति।*

(перевод на санскрит) किमिति।

bhrū *f* - бровь;

प्रियंवदा। *दुवे मे रुक्खसेअणके धारेसि। तेहिं दाव अत्ताणअं मोआवेहि। तदो गमिस्ससि।* [इति बलान्निवर्तयति]

(перевод на санскрит) द्वे मे वृक्षसेचनके धारयसि। ताभ्यां तावदात्मानं मोचय। ततो गमिष्यसि।

secanaka *n* полив, поливание; лейка;

राजा। भवति वृक्षसेचनादेवात्रभवतीं परिश्रान्तामवगच्छामि। तथा ह्यस्याः

secana *n* - полив, поливание;
atrabhavant - почтенный (в драме);

स्रस्तांसावतिमात्रलोहिततलौ बाहू घटोत्क्षेपणादद्यापि स्तनवेपथुं जनयति श्वासः प्रमणाधिकः।

sraṅs (Ā I sraṅsate, p.p. srasta) - падать; *p.p.* опустившийся, ослабленный;
aṅsa *m* - плечо
lohita красный, покрасневший;
utkṣepaṇa *n* - поднятие;
pramāṇādhika - чрезмерный;

बद्धं कर्णशिरीषरोधि वदने घर्माम्भसा जालकः बन्धं स्रंसिनि चैकहस्तयमिताः पर्याकुला मूर्धजाः॥ २९॥

-rodhin мешающий, препятствующий;
gharmāmbhas *n* - пот;
jālaka *n* сетка, сеть;
sraṅsin развязывающийся;
paryākula запутанный, перепутанный, смущенный; взъерошенный (о волосах);
mūrdhaja *m* волос (на голове);

तदहमेनामनृणां करोमि। [इत्यङ्गुरीयकं ददाति। सख्यौ प्रतिगृह्य नामाक्षराणि वाचयित्वा परस्परमवलोकयतः]

anṛṇa - свободный от долга (обязанностей);
aṅgarīyaka, aṅguriyaka (*pkr. aṅguria= skr. aṅgurīya*) *n* - кольцо, перстень;
akṣara *n* - неиссякаемый, неизменный, нерушимый; слог, слово, звук, буква, гласный: мантра "ОМ";

राजा। अलमन्यथासम्भावनया। राज्ञः प्रतिग्रहो ऽयम्।

saṃbhavanā *f* - собирание, сбор; предположение; *anyathā-* неверное предположение, сомнение;

प्रियंवदा। *तेण हि णारिहदि इमं अङ्गुरीअविओअं कादुं अज्जो। अज्जस्स वअणादो जेव अरिणा एसा भोदु।*

(перевод на санскрит) तेन हि नार्हतीममङ्गुरीयवियोगं कर्तुमार्यः। आर्यस्य वचनादेवानृणैषा भवतु।

viyoga *m* - разлука, расставание;

अनासूया। *हला सउन्तले मोआविदासि अणुकम्पिणा अज्जेण अधवा राएसिणा। ता कहिं दाणिं गमिस्ससि।*

(перевод на санскрит) सखि शकुन्तले मोचितास्यनुकम्पिनार्येणाथवा राजर्षिणा। तत्क्वेदानीं गमिष्यसि।

anukampin - жалостливый;

शकुन्तला। [आत्मगतम्] *ण एदं परिहरिस्सं जइ अत्तणो पहवे।*

(перевод на санскрит) नैतं परिहरिष्यामि यद्यात्मनः प्रभवेयम्।

parihar I P. - оставлять, избегать;
prabhū I P. - возникать, происходить, иметь силу, властвовать (над собою + *gen.*)

प्रियंवदा। *किं सम्पदं ण गच्छीअदि।*

(перевод на санскрит) किं साम्प्रतं न गम्यते।

sāṃpratam *adv.* - ныне, теперь;

शकुन्तला । *इदाणिं पि किं तुह आअत्त म्हिम जदा मे रोअदि तदा गमिस्सं ।*

(перевод на санскрит) इदानीमपि किं तवायत्तास्मि । यदा मे रोचते तदा गमिष्यामि ।

āyatta (*p.p. от* āyat) зависящий от;

राजा । [शकुन्तलां विलोकयन्नात्मगतम्] किं नु खलु यथा वयमस्यामेवमियमप्यस्मान्प्रति स्यात् । अथवा लब्धावकाशा मे मनोवृत्तिः । कुतः ।

avakāśa *m* - простор, вид (надежда);

वाचं न मिश्रयति यद्यपि मद्वचोभिः कर्णं ददात्यवहिता मयि भाषमाणे ।

miśray (*den. act.*) - смешивать;

कामं न तिष्ठति मदाननसम्मुखीयं भूयिष्ठमन्यविषया न तु दृष्टिरस्याः ॥ ३० ॥

saṃmukha, *f* ī лицом к, обращенный к, впереди; *acc. adv.* навстречу;

नेपथ्ये । भो भोस्तपस्विनः । तपोवनसन्निहितसत्त्वरक्षणाय सज्जीभवन्तु भवन्तः । प्रत्यासन्नः किल मृगयाविहारी पार्थिवो दुष्यन्तः ।

saṅnihita (*p.p. от.* saṅnidhā) присутствующий, близкий; + *tatra* - налицо, дома
sajjī bhū - готовиться;
mṛgayā *f* - охота;
vihārin - развлекающийся, веселящийся;
pratyāsanna (*p.p. от* pratyās) - близкий;

तुरगखुरहतस्तथा हि रेणुर्विटपनिषक्तजलार्द्रवल्कलेषु ।

turaga *m* - конь;
khura *m* - копыто;
reṇu *m* - пыль;
viṭapa *m* - ветвь;
nisajj (*тж.* nisañj, *формы см.* sajj) висеть; *p.p.* висящий, повешенный;
ārdra - мокрый, влажный, нежный;

पतति परिणतारुणप्रकाशः शलभसमूह इवाश्रमद्रुमेषु ॥ ३१ ॥

aruṇa *m* - солнце;
śalabha *m* - саранча;
samūha *m* - множество, толпа, стая;
druma *m* - дерево (растение);

राजा । [स्वगतम्] अहो धिक् मदन्वेषिणः सैनिकास्तपोवनमनुरुन्धन्ति ।

anurudh VII U. - пробираться, проникать, тревожить;

पुनर्नेपथ्ये । भो भोस्तपस्विनः । पर्याकुलीकुर्वन्वृद्धस्त्रीकुमारानेष प्राप्तः

तीव्राघातादभिमुखतरुस्कन्धभग्नैकदन्तः

āghāta *m* удар;

प्रौढाकृष्टव्रततिवलयासङ्गनाज्जातपाशः ।

pravah (U I pravahati\pravahate, p.p. ūḍha, voḍha) спешить; струить, катить (*воды*);
ākṛṣṭa - натянутый, напряженный;
vratati *f* - вьющееся растение;
valaya *m, n* - обвивание, обвивка;
āsañjana *n* - цепляние;

मूर्तो विघ्नस्तपस इव नो भिन्नसारङ्गयूथो

sāraṅga *m* - антилопа;
yūtha *m, n* - стадо, множество;

धर्मारण्यं विरुजति गजः स्यन्दनालोकभीतः ॥ ३२ ॥

viruj (VI P. rujati, p.p. rugṇa) - ломать, уничтожать;
āloka *m* - взгляд, взор; вид;

[सर्वाः श्रुत्वा ससम्भ्रममुत्तिष्ठन्ति]

राजा । [स्वगतम्] अहो धिक् कथमपराद्धस्तपस्विनामस्मि । भवतु प्रतिगच्छामि तावत् ।

सख्यौ । *महाभाअ इमिणा हत्थिसम्भमेण पज्जाउल म्ह । ता अणुजाणाहि णो उडअगमणे ।*

(перевод на санскрит) महाभाग अनेन हस्तिसम्भ्रमेण पर्याकुलाः स्मः । तदनुज्ञानीहि न उटजगमने ।

saṃbhrama *m* - смущение, поспешность; волнение, тревога, заблуждение;
anujñā IX, U - соизволять, разрешать, одобрять;
uṭaja *m, n* - шалаш;

अनासूया । *हला सउन्तले पज्जाउला अज्जा गोदमी भविस्सादि । ता एहि सिग्घं एकत्था होम्ह ।*

(перевод на санскрит) सखि शकुन्तले पर्याकुलार्या गौतमी भविष्यति । तदेहि शीघ्रमेकस्था भवामः ।

ekastha - соединенный, вместе;

शकुन्तला । [गतिसंरोधं रूपयित्वा] *हद्धी हद्धी ऊरुत्थम्भविअला म्हि संवुत्ता ।*

(перевод на санскрит) हा धिक् हा धिक् उरुस्तम्भविह्वलास्मि संवृत्ता ।

saṅrodha *n* - препятствие;
stambha *m* - столб, онемение;
vihvala - хромой;

राजा । स्वैरं स्वैरं गच्छन्तु भवत्यः । वयमप्याश्रमबाधा यथा न भवति तथा प्रयतिष्यामहे ।

svaira - свободный, непринужденный; *acc. adv.* медленно, осторожно;
bādhā *f* - притеснение, преследование (со стороны другого); вред, беда;

सख्यौ । *महाभाअ विदिदभूइट्ठो सि । णं सम्पदं जं उवआरमज्झत्थदाए अवरद्ध म्ह तं मरिसेसि । असम्भाविदसक्कारं भूओ वि पच्चवेक्खणणिमित्तं सपरिहारं अज्जं विण्णवेम्ह ।*

(перевод на санскрит) महाभाग विदितभूयिष्ठो ऽसि । ननु साम्प्रतं यदुपचारमध्यस्थतयापराद्धाः स्मस्तन्मर्षयेः ।

madhyasthatā *f* - равнодушие;
marṣ (IV U. mṛṣyati/te, caus. marṣayati/te) - терпеть, забывать; *caus.* простить;

असम्भावितसत्कारं भूयो ऽपि प्रत्यवेक्षणनिमित्तं सपरिहारमार्यं विज्ञापयामः ।

pratyavekṣaṇa *n* - повторный приход;
saparihāram *adv.* - скромно;
vijñāpaya - просить;

राजा । मा मैवम् । दर्शनेनैव भवतीनां पुरस्कृतो ऽस्मि ।

शकुन्तला । *अणसूए अहिणवकुससूइपरिक्खदं मे चलणं कुरुवअसाहापरिलग्गं च मे वक्कलं । ता पडिवालेध मं जाव णं मोआवेमि ।*

(перевод на санскрит) अनासूये अभिनवकुशसूचिपरिक्षतं मे चरणं कुरुवकशाखापरिलग्नं च मे वल्कलम् । तत्प्रतिपालयतं मां यावदेनन्मोचयामि ।

sūci *f* - игла, колючка;
parikṣan VIII P. - повреждать, ранить;
kuruvaka (*или* kurubaka, kurabaka) *m* - название растения (красный амарант);
parilag (I P., p.p. parilagna) - прилипать, зацепляться, прикасаться;

pratipāl X P. - ждать, ожидать;

[इति राजानमवलोकयन्ती सह सखीभ्यां निष्क्रान्ता]

राजा। [निःश्वस्य] गताः सर्वाः। भवतु अहमपि गच्छामि।

शकुन्तलादर्शनादेव मन्दौत्सुक्यो ऽस्मि नगरगमनं प्रति।

autsukya *n* - желание, охота;

यावदनुयात्रिकानतिदूरे तपोवनस्य निवेशयामि। न खलु शक्तो ऽस्मि शकुन्तलाव्यापारादात्मानं निवर्तयितुम्। कुतः।

anuyātrika *m* - свита, провожатые;
niviś VI P. - располагаться, поселяться; *caus*. класть, положить, разместить, велеть; расположиться;
vyāpāra *m* - занятие, дело;

गच्छति पुरः शरीरं धावति पश्चादसंस्थितं चेतः।

asaṅsthita - беспокойный, неспокойный;

चीनांशुकमिव केतोः प्रतिवातं नीयमानस्य॥ ३३॥

cīnāṅśuka *n* - шелковая материя;
ketu *m* - знамя;
prativātam *adv*. - против ветра;

[इति निष्क्रान्ताः सर्वे]

॥ इति श्रीकालिदासकृते ऽभिज्ञानशकुन्तलानाम्नि नाटके प्रथमो ऽङ्कः॥

aṅka *m* - колени (сгиб); знак, след; действие (в драме);